# ORAL ANSWERS TO STARRED QUESTIONS AND SUPPLEMENTARY QUESTIONS AND ANSWERS THEREON

GOVERNMENT OF INDIA
MINISTRY OF CHEMICALS & FERTILIZERS
DEPARTMENT OF FERTILIZERS

**RAJYA SABHA**

**STARRED** QUESTION **NO. 61*** TO BE ANSWERED **ON: 08.02.2022**

**Revival of Gorakhpur fertilizer plant**

***61. SHRI BRIJLAL:**

Will the Minister of **CHEMICALS AND FERTILIZERS** be pleased to state:

(a) whether the availability of chemical fertilizers to the farmers is ensured after reopening of the Gorakhpur fertilizer plant which was closed for thirty years; and

(b) the extent to which Government has succeeded in realizing the aspiration of the State of Uttar Pradesh and Purvanchal and bridging the demand and supply gap of urea?

**ANSWER**

MINISTER OF HEALTH & FAMILY WELFARE AND CHEMICALS & FERTILZERS

**(DR. MANSUKH MANDAVIYA)**

(a) to (b) : A Statement is laid on the Table of the House.

xxxxxxxx

**STATEMENT REFERRED TO IN REPLY TO PARTS (a) TO (b) OF THE RAJYA SABHA STARRED QUESTION NO. 61* TO BE ANSWERED ON 08.02.2022 REGARDING "REVIVAL OF GORAKHPUR FERTILIZER PLANT".**

****

(a).: Yes Sir. Reopening of Gorakhpur fertilizer plant with production capacity of 12.7 LMT of urea annually will help in ensuring adequate and timely availability of fertilizers in the state of Uttar Pradesh and adjoining states.

(b).: The aspiration of State of Uttar Pradesh have been fully met by the Government of India by supplying required quantity of fertilizers to the State including Purvanchal as per Annexure A and B.

XXXXXXX

Annexure A

**Fertilizer Availability for the State of Uttar Pradesh during Rabi Season upto 31.01.2022.**

(Figures: In LMT)

| S.NO | PRODUCT GROUP | SEASONAL REQUIREMENT | PRO- RATA REQUIREMENT UPTO 31.01.2022 | AVAILABILITY UPTO 31.01.2022 | DBT SALES UPTO 31.01.2022 |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | UREA | 39.00 | 31.50 | 35.87 | 29.08 |
| 2 | DAP | 17.50 | 15.00 | 16.55 | 13.62 |
| 3 | MOP | 1.80 | 1.30 | 1.35 | 1.15 |
| 4 | NPKS | 4.00 | 3.00 | 4.63 | 4.10 |

[Source: iFMS Dashboard]

**Annexure 'B'**

**Fertilizer (Urea) Availability for the Purvanchal region during Rabi Season up to 31.01.2022.**

**(Qty. in M.T.)**

| Sl.No. | District | Season Requirement | Cumulative Target till Jan 2022 | AVAILABILITY as on date 31.01.2022 | SALE as on date 31.01.2022 |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | 2 | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | Varanasi | 36500 | 29483 | 36429 | 21008 |
| 2 | Chandauli | 36000 | 29078 | 38532 | 32934 |
| 3 | Ghazipur | 57000 | 46039 | 45040 | 38151 |
| 4 | Jaunpur | 63000 | 50883 | 57032 | 44757 |
| 5 | Mirzapur | 37000 | 29884 | 37580 | 30068 |
| 6 | Bhadohi | 14000 | 11308 | 12513 | 9641 |
| 7 | Sonbhadra | 25000 | 20192 | 24170 | 19727 |
| 8 | Azamgarh | 63600 | 51369 | 52895 | 44348 |
| 9 | Mau | 33200 | 26816 | 26191 | 18819 |
| 10 | Ballia | 54000 | 43617 | 42076 | 31589 |
| 11 | Gorakhpur | 69000 | 55731 | 65877 | 51478 |
| 12 | Maharajganj | 63000 | 50883 | 58632 | 48626 |
| 13 | Deoria | 56000 | 45230 | 52322 | 39527 |
| 14 | Kushinagar | 52000 | 42000 | 39654 | 33120 |
| 15 | Basti | 52000 | 42000 | 53939 | 42383 |
| 16 | Sant Kabir Nagar | 30000 | 24231 | 30818 | 25956 |
| 17 | Siddharthnagar | 52000 | 42000 | 57448 | 49410 |
| 18 | Gonda | 53000 | 42808 | 50332 | 40035 |
| 19 | Balrampur | 27000 | 21808 | 28908 | 26203 |
| 20 | Bahraich | 60000 | 48461 | 47540 | 39927 |
| 21 | Shrawasti | 19000 | 15347 | 18760 | 16227 |
| 22 | Ayodhya | 41000 | 33116 | 46898 | 33068 |
| 23 | Ambedkar Nagar | 38000 | 30692 | 38216 | 30232 |
| 24 | Sultanpur | 37000 | 29884 | 36704 | 29734 |
| 25 | Prayagraj | 104100 | 84081 | 105228 | 86088 |
| 26 | Fatehpur | 71000 | 57347 | 64951 | 54163 |
| 27 | Kaushambi | 35000 | 28269 | 34434 | 28398 |
| 28 | Pratapgarh | 45000 | 36347 | 36228 | 29711 |
| | **Total** | **1068300** | **862860** | **998506** | **796968** |

XXXXXXX

भारत सरकार
रसायन और उर्वरक मंत्रालय
उर्वरक विभाग

**राज्य सभा**
**तारांकित** प्रश्न संख्या **61***

जिसका उत्तर मंगलवार, 8 फरवरी, 2022/19 माघ, 1943 (शक) को दिया जाना है।

**गोरखपुर खाद कारखाने को फिर से खोला जाना**

***61. श्री बृजलाल:**

क्या रसायन और उर्वरक मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या विगत 30 वर्षों से बंद पड़े गोरखपुर खाद कारखाने को फिर से खोले जाने के बाद से किसानों को रासायनिक खादों की उपलब्धता सुनिश्चित हो गई है; और

(ख) सरकार उत्तर प्रदेश और पूर्वांचल की आकांक्षाओं को साकार करने और यूरिया की मांग एवं आपूर्ति के अंतर को दूर करने में कितनी सफल हुई है?

**उत्तर**

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण तथा रसायन और उर्वरक मंत्री**
**(डा. मनसुख मांडविया)**

---

(क) से (ख): विवरण सभा पटल पर रख दिया गया है।

*****

**'गोरखपुर खाद कारखाने को फिर से खोला जाना' के संबंध में दिनांक 08.02.2022 के राज्य सभा तारांकित प्रश्न सं. 61* के भाग (क) से (ख) के उत्तर में उल्लिखित विवरण।**

*******

**(क):** जी हां। वार्षिक रूप से 12.7 एलएमटी यूरिया की उत्पादन क्षमता के साथ गोरखपुर उर्वरक संयंत्र के पुन: खोलने से उत्तर प्रदेश राज्य तथा निकटवर्ती राज्यों में उर्वरकों की पर्याप्त एवं समय पर उपलब्धता सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी।

**(ख):** पूर्वांचल सहित राज्य को उर्वरकों की अपेक्षित मात्रा की आपूर्ति करके भारत सरकार द्वारा **अनुलग्नक 'क' और 'ख'** के अनुसार उत्तर प्रदेश राज्य की आकांक्षाओं को पूर्णत: पूरा किया गया है।

******

अनुलग्नक-क

रबी मौसम के दौरान 31.01.2022 तक उत्तर प्रदेश राज्य के लिए उर्वरक उपलब्धता

(आंकड़े: एलएमटी में)

| क्र.सं. | उत्पाद समूह | मौसमी आवश्यकता | 31.01.2022 तक यथानुपात आवश्यकता | 31.01.2022 तक उपलब्धता | 31.01.2022 तक डीबीटी बिक्री |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | यूरिया | 39.00 | 31.50 | 35.87 | 29.08 |
| 2 | डीएपी | 17.50 | 15.00 | 16.55 | 13.62 |
| 3 | एमओपी | 1.80 | 1.30 | 1.35 | 1.15 |
| 4 | एनपीकेएस | 4.00 | 3.00 | 4.63 | 4.10 |

[स्रोत: आईएफएमएस डैशबोर्ड]

अनुलग्नक-ख

**रबी मौसम के दौरान 31.01.2022 तक पूर्वांचल क्षेत्र के लिए उर्वरक (यूरिया) की उपलब्धता**

**(मात्रा मीट्रिक टन में)**

| क्र.सं. | जिला | मौसमी आवश्यकता | जनवरी 2022 तक संचयी लक्ष्य | 31.01.2022 तक की स्थिति के अनुसार उपलब्धता | 31.01.2022 की स्थिति के अनुसार बिक्री |
|---|---|---|---|---|---|
| 1 | | 3 | 4 | 5 | 6 |
| 1 | वाराणसी | 36500 | 29483 | 36429 | 21008 |
| 2 | चंदौली | 36000 | 29078 | 38532 | 32934 |
| 3 | गाजीपुर | 57000 | 46039 | 45040 | 38151 |
| 4 | जौनपुर | 63000 | 50883 | 57032 | 44757 |
| 5 | मिर्जापुर | 37000 | 29884 | 37580 | 30068 |
| 6 | भदोही | 14000 | 11308 | 12513 | 9641 |
| 7 | सोनभद्र | 25000 | 20192 | 24170 | 19727 |
| 8 | आजमगढ़ | 63600 | 51369 | 52895 | 44348 |
| 9 | मऊ | 33200 | 26816 | 26191 | 18819 |
| 10 | बलिया | 54000 | 43617 | 42076 | 31589 |
| 11 | गोरखपुर | 69000 | 55731 | 65877 | 51478 |
| 12 | महाराजगंज | 63000 | 50883 | 58632 | 48626 |
| 13 | देवरिया | 56000 | 45230 | 52322 | 39527 |
| 14 | कुशीनगर | 52000 | 42000 | 39654 | 33120 |
| 15 | बस्ती | 52000 | 42000 | 53939 | 42383 |
| 16 | संत कबीर नगर | 30000 | 24231 | 30818 | 25956 |
| 17 | सिद्धार्थ नगर | 52000 | 42000 | 57448 | 49410 |
| 18 | गोंडा | 53000 | 42808 | 50332 | 40035 |
| 19 | बलरामपुर | 27000 | 21808 | 28908 | 26203 |
| 20 | बहराइच | 60000 | 48461 | 47540 | 39927 |
| 21 | श्रावस्ती | 19000 | 15347 | 18760 | 16227 |
| 22 | अयोध्या | 41000 | 33116 | 46898 | 33068 |
| 23 | अम्बेडकर नगर | 38000 | 30692 | 38216 | 30232 |
| 24 | सुल्तानपुर | 37000 | 29884 | 36704 | 29734 |
| 25 | प्रयागराज | 104100 | 84081 | 105228 | 86088 |
| 26 | फतेहपुर | 71000 | 57347 | 64951 | 54163 |
| 27 | कौशाम्बी | 35000 | 28269 | 34434 | 28398 |
| 28 | प्रतापगढ़ | 45000 | 36347 | 36228 | 29711 |
| | **कुल** | **1068300** | **862860** | **998506** | **796968** |

xxxxxxxx

**श्री बृजलाल** : माननीय उपसभापति जी, मैं सरकार को धन्यवाद देना चाहता हूं कि उन्होंने नीम कोटेड यूरिया का प्रोडक्शन शुरू किया है। महोदय, नीम कोटेड यूरिया शुरू होने के बाद भी कई इंडस्ट्रीज़ ऐसी हैं, जो इसका दुरुपयोग कर रही हैं। वे पेंट इंडस्ट्री और प्लाइवुड इंडस्ट्री में इसका दुरुपयोग कर रही हैं। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि नीम कोटेड यूरिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए सरकार द्वारा क्या प्रयास किए जा रहे हैं?

**श्री भगवंत खूबा** : उपसभापति महोदय, यूरिया के दुरुपयोग को रोकने के लिए हमने राज्य सरकारों को सारे निर्देश दिए हैं कि कौन-कौन सी इंडस्ट्रीज़ में इसका दुरुपयोग हो रहा है। इसके अलावा ज्यादा फर्टिलाइज़र्स कौन खरीदता है, हमने इसके ऊपर भी कार्रवाई करने के लिए राज्य सरकारों से कहा है। उपसभापति महोदय, हमने इन ज़रियों के द्वारा यूरिया का जो दुरुपयोग हो रहा है, उसको रोकने का पूर्ण परिमाण पर प्रयास किया है और इस संबंध में संबंधित राज्य सरकार को उचित निर्देशन भी दिया है।

**श्री बृजलाल** : उपसभापति जी, गोरखपुर खाद कारखाना 1968 में बना और 1990 में बंद हो गया था । मैं प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी जी को बार-बार धन्यवाद देता हूं कि उन्होंने उस फैक्ट्री को अभी दोबारा चालू किया है। महोदय, गोरखपुर के अलावा भी देश में कई और ऐसे कारखाने थे, जो पूर्ववर्ती सरकारों के समय में बंद हो गए थे। मैं माननीय मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि देश में और जो कारखाने बंद पड़े हैं, उनको पुनर्जीवित करने के लिए क्या प्रयास किए जा रहे हैं और इसकी डिटेल्स क्या हैं?

**श्री भगवंत खूबा** : माननीय उपसभापति महोदय, भारत सरकार के हमारे जो उर्वरक कारखाने बंद पड़े थे, जिनमें गोरखपुर, सिंदरी, बरौनी, रामागुंडम और तलचर हैं, आज वे सारे कारखाने फिर से चालू होने की दिशा में हैं। रामागुंडम कारखाना पिछले मार्च में चालू हो चुका है और गोरखपुर कारखाना 7 दिसंबर, 2021 में माननीय प्रधान मंत्री जी के कर कमलों से चालू हो चुका है। माननीय उपसभापित जी, बाकी के कारखाने, जैसे सिंदरी, बरौनी, तलचर आदि हैं, उनके प्लांट्स अभी प्रोगेस की दिशा में हैं और आने वाले दिनों में उनका प्रोडक्शन भी चालू हो जाएगा।

**श्री उपसभापति** : डा. फौजिया खान जी, आप सवाल पूछिए। मैं आपको लोक सभा की ओर देख रहा था।

DR. FAUZIA KHAN: Sir, it was observed this year that the allocation for urea subsidy including the payment for indigenous urea and direct benefit transfer in fertilizer subsidy have suffered a heavy decline despite the Government's mission for doubling farmers' income. So, what exactly is the rationale behind this?

**स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री; तथा रसायन और उर्वरक मंत्री (डा. मनसुख मांडविया)**: माननीय डिप्टी चेयरमैन सर, यूरिया हमारे देश की किसानी के लिए सबसे important खाद है।

देश में 240-245 लाख मीट्रिक टन यूरिया का indigenous production होता है और कुल मिला कर हमारा yearly consumption 300-325 लाख मीट्रिक टन यूरिया है। इसमें 70-75 लाख मीट्रिक टन यूरिया हमें import करना पड़ता है। यहाँ माननीय सदस्या ने कहा है कि खाद की subsidy कम की गई है। माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपके माध्यम से माननीय सदस्या और सदन को यह information देना चाहता हूँ कि देश में खाद की कमी न हो, इसलिए indigenous production बढ़े और import पर dependency कम रहे, उसके लिए प्रयास किया जा रहा है। इस साल गैस का price बढ़ने से यूरिया का price बहुत बढ़ गया। ऐसी स्थिति में भारत सरकार को दुनिया से जो fertilizer import करना था, वह 900 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर मिला। सामान्यतः वह हमें दुनिया से 300-350 डॉलर प्रति मीट्रिक टन मिलता था, लेकिन इस बार उसका price बढ़ कर 900 डॉलर प्रति मीट्रिक टन हो गया। यानी आज हम किसान को जो यूरिया का एक बैग 266 रुपए में देते हैं, उस 266 रुपए के पीछे आज जब हम 900 डॉलर प्रति मीट्रिक टन पर यूरिया import करते हैं, तो हमें 2,500 रुपए प्रति बैग subsidy देनी पड़ती है। माननीय उपसभापति महोदय, हमने यह subsidy दी, लेकिन किसान पर बोझ नहीं बढ़ाया। इस साल यूरिया और दूसरी fertilizers की subsidy बढ़ कर 1 लाख, 49 हजार करोड़ रुपए हो गई। भारत सरकार ने fertilizer के लिए इस साल 1, लाख 49 हजार करोड़ रुपए की subsidy दी है। भूतकाल में इतनी subsidy कभी नहीं दी गई है। हमारा commitment है कि किसान को खाद मिलती रहे, भले ही subsidy का बोझ जितना बढ़ना हो, उतना बढ़े।

माननीय उपसभापति महोदय, मैं आपको यह भी बता दूँ कि इस साल एक ऐसी स्थिति का निर्माण हो गया था कि Covid crisis की वजह से international market में phosphoric acid का price बढ़ गया, DAP दुनिया में कहीं मिल नहीं रही थी, ship नहीं मिल रहा था और ऐसी स्थिति में देश में DAP की demand होती थी। जब किसान को खाद की आवश्यकता होती है, तब वह खाद खरीदने के लिए जाता है। वह wait नहीं करता है। जब उसको खाद नहीं मिलती, तो तुरंत ही किसान अपनी बात को रखता है। ऐसी स्थिति में देश में DAP की कमी न रहे, जबकि international price बढ़ गया, तो हमने एक बैग पर 1,650 रुपए की subsidy दी, लेकिन हमने किसानों से ज्यादा पैसा नहीं लिया। हमने देश के किसानों को DAP 1,200 रुपए में ही उपलब्ध कराया। हमने इस साल किसानों के लिए सबसे highest subsidy use की।

**श्री उपसभापति**: माननीय सुशील कुमार मोदी जी।

**श्री सुशील कुमार मोदी**: माननीय उपसभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह कहना चाहता हूँ कि बिहार में बरौनी के अंदर जो फर्टिलाइजर कारखाना है, उसके उद्घाटन की डेट लगातार बढ़ती जा रही है। मैं यह जानना चाहता हूँ कि उसमें कब तक उत्पादन प्रारम्भ हो जाएगा, उसका investment कितना है और अब तक कितना खर्च हो चुका है?

**डा. मनसुख मांडविया**: माननीय उपसभापति महोदय, जैसा मेरे राज्य मंत्री ने बताया, 'आत्मनिर्भर भारत' के तहत देश में ही हमारे देश की requirement के अनुसार खाद का उत्पादन हो, इसलिए

हम 5 plants का revival कर रहे हैं। उनमें से रामागुंडम प्लांट already commissioned है, गोरखपुर प्लांट already commissioned है। सिंदरी और बरौनी, दोनों fertilizer plants का काम गति से चल रहा है। बरौनी के संदर्भ में माननीय सदस्य ने जो information माँगी है, 2016 में उसका JV final हुआ था और उसके बाद उसकी project cost 8,388 करोड़ रुपए तय की गई थी। 2019 में 17 फरवरी को उसका foundation stone lay किया गया था। माननीय उपसभापति महोदय, मुझे माननीय सदस्य को बताते हुए खुशी हो रही है कि उसकी overall progress अच्छी है और उसमें बहुत तेजी से काम चल रहा है। Covid crisis की वजह से वह थोड़ी सी लेट हुई है, यह 6-7 महीने लेट हुई है, लेकिन हमने आज 95 परसेंट काम पूरा कर दिया है और जून, 2022 में हम उसको commission करके dedicated to nation कर देंगे।

**श्री जयप्रकाश निषाद**: माननीय उपसभापति महोदय, मुझे खुशी है कि गोरखपुर के बंद पड़े उर्वरक कारखाने का हमारे प्रधान मंत्री महोदय जी ने पुनः निर्माण करवा कर उसे चलवाया और पूर्वांचल के विकास के लिए एक बहुत बड़ा...(**व्यवधान**)...

**श्री उपसभापति**: माननीय निषाद जी, आप सवाल पूछिए।

**श्री जयप्रकाश निषाद**: उपसभापति महोदय, मैं माननीय मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि उर्वरक कारखाना बन कर तैयार हो गया है, तो कब तक किसानों को उस कारखाने से उर्वरक मिलेगा? साथ में बंद पड़े कारखाने के जो पुराने employees थे, क्या सरकार उनको पुनः लेने का काम करेगी?

**श्री उपसभापति**: धन्यवाद, एक बार में एक ही सवाल पूछना है।

**डा.मनसुख मांडविया**: माननीय उपसभापति महोदय, 1990 के आस-पास गोरखपुर फर्टिलाइज़र प्लांट सहित पांच प्लांट्स बंद हो गए थे। हालांकि फर्टिलाइज़र की डिमांड उस समय बढ़ ही रही थी, लेकिन उसके प्रति उपेक्षा का भाव रखा गया, उसको समय-समय पर संभाला नहीं गया, इसलिए गोरखपुर प्लांट सहित पांच प्लांट्स बंद हो गए थे। लेकिन प्रधान मंत्री जी ने तय किया कि देश में खाद का उत्पादन होना चाहिए इसलिए इन पांचों प्लांट्स के revival का decision लिया गया। 2016 में गोरखपुर में भी फर्टिलाइज़र प्लांट के revival का decision लिया गया और उसके बाद तेज़ी से वहां काम चलाया गया। State of Heart गोरखपुर में विश्व की best technology का उपयोग करके प्लांट लगाया गया। आज वहां manufacturing चालू हो गई है और पूर्वांचल क्षेत्र में फर्टिलाइज़र की सप्लाई मिलनी भी चालू हो चुकी है। यह प्लांट बनने से वहां के क्षेत्र की economy boost up होगी।

माननीय उपसभापति महोदय, जब कहीं कोई प्लांट लगता है, तो वहां कई ट्रक आते हैं, वहां से खाद लेकर जाते हैं, इससे ट्रक ड्राइवर्स को भी रोज़गार मिलेगा। उसके बाद वहां छोटे-मोटे ढाबे लगेंगे, उनको भी रोज़गार मिलेगा, कारखाने के अंदर काम करने वाले लोगों को भी

रोज़गार मिलेगा, technicians और engineers को भी रोज़गार मिलेगा। जब किसी बड़ी इकाई का निर्माण होता है, तो कई लोगों के लिए रोज़गार का सृजन होता है। गोरखपुर में भी इस प्लांट के माध्यम से हजारों लोगों के लिए रोज़गार का सृजन हुआ है, जिसका लाभ पूर्वांचल के लोगों को होगा।

**श्री उपसभापति** : माननीय सदस्यगण और माननीय मंत्रीगण, आप दोनों से ही मेरा आग्रह है, साथ ही माननीय चेयरमैन साहब का हमेशा यह सुझाव भी रहा है कि क्वेश्चन पूछते समय to the point और briefly बोलें, ताकि हमारा Question Hour बेकार न जाए। कृपया जवाब देने में भी इस बात की सावधानी बरतें।

Question No. 62. Shri Derek O'Brien; not present. Dr. M. Thambidurai.